



भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-19122025-268629
CG-DL-E-19122025-268629

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 368]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, दिसम्बर 18, 2025/अग्रहायण 27, 1947

No. 368]

NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 18, 2025/AGRAHAYANA 27, 1947

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय

(विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग)

संकल्प

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर, 2025

फा. सं. एआई/1/05/टाइफैक/2025.—भारत सरकार ने प्रौद्योगिकी सूचना पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद (टाइफैक), जिसकी स्थापना 10.02.1988 को 1860 के सोसायटी पंजीकरण अधिनियम के तहत पंजीकरण संख्या एस/18632, 1988 वाली सोसायटी के रूप में हुई थी, को समाप्त करने का निर्णय लिया। यह भी निर्देश दिया गया कि समापन प्रक्रिया मंत्रिमंडल के दिनांक 12.11.2025 के निर्णय से 6 महीने की अवधि के भीतर पूरी कर ली जाए।

2. इस निर्णय के अनुसरण में, टाइफैक को समाप्त करने के लिए सभी आवश्यक कार्रवाइयां पूरी हो चुकी हैं और इसे 08.12.2025 से समाप्त किया जाता है। डीएसटी के अंतर्गत आने वाले प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी), नई दिल्ली को सभी शेष प्रशासनिक मामले, सभी बाकी गतिविधियां और कार्यक्रम, जारी विधिक मामले, धन वसूली, रॉयल्टी/ लाभ की प्राप्ति, कोई अन्य कार्य आदि से संबंधित कार्रवाई करने का कार्य सौंपा गया है।

सुनील कुमार, अपर सचिव

MINISTRY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY**(Department of Science and Technology)****RESOLUTION**

New Delhi, the 16th December, 2025

F.No. AI/1/05/TIFAC/2025.—The Government of India decided to close Technology Information Forecasting and Assessment Council (TIFAC), established on 10.02.1988 as Society having Registration no. S/18632 of 1988 under the Societies Registration Act of 1860. It was further directed that the closure exercise be completed within a period of 6 months from the date of decision of the Cabinet i.e. 12.11.2025.

2. Pursuant to the decision, all the necessary actions for closure of TIFAC have been completed and it stands closed w.e.f. 08.12.2025. Technology Development Board (TDB), New Delhi under DST has been entrusted to deal with all the residual administrative matters, all remaining activities and programs, ongoing legal cases, recovery of funds, receiving of royalty/ profits, any other work, etc.

SUNIL KUMAR, Addl. Secy.